epaper
हिन्दुस्तान

मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्रा ने प्रदेश भर की मेट्रो परियोजनाओं की बैठक बुलायी, फिर संशोधित किया जाएगा परियोजना का डीपीआर

मेट्रो के ईस्ट वेस्ट कारिडोर के निर्माण का रास्ता खुला

03/03/2022

लखनऊ | प्रमुख संवाददाता

लखनऊ मेट्रो के ईस्ट वेस्ट कारिडोर की फाइल फिर खुल गयी है। वर्ष 2016 में तैयार इसकी डीपीआर को एक बार फिर से संशोधित किया जाएगा। मुख्य सचिव ने यूपी मेट्रो रेल कारपोरेशन को इसकी डीपीआर संशोधित करने का निर्देश दिया है। संशोधित डीपीआर आने के बाद ईस्ट वेस्ट कारिडोर के निर्माण को मंजूरी मिल जाएगी।

लखनऊ मेट्रो के ईस्ट वेस्ट कारिडोर का डीपीआर 2016 में मंजूरी के लिए भेजा गया था लेकिन शासन ने निर्माण की मंजूरी नहीं दी थी। 2019 में फिर से शासन ने इस कारिडोर के निर्माण का डीपीआर रिवाइज कराया। निर्माण का खर्च कम करने के लिए स्टेशनों को छोटा किया था। मेट्रो ट्रेन को चार की जगह तीन कोच करने का निर्णय हुआ था। इससे खर्च में काफी कमी हुई थी। यूपी मेट्रो ने 2019 में ही संशोधित डीपीआर भेजा लेकिन इसे फिर रोक दिया गया। बुधवार को मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्रा ने प्रदेश भर की मेट्रो परियोजनाओं की बैठक बुलायी थी। यूपी मेट्रो रेल कारपोरेशन के एमडी कुमार केशव ने सभी कारणों की जानकारी दी। मुख्य सचिव ने तत्काल डीपीआर संशोधित कराकर प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है। तीन वर्ष से अधिक समय बीतने की वजह से परियोजना की लागत बढ़नी तय है। बताया जा रहा कि लागत 300 करोड़ तक बढ़ सकती है।

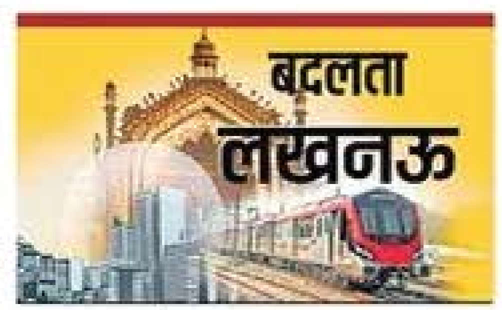

मेट्रो को जमीन देने का विवाद सुलझा

लखनऊ मेट्रो को सीजी सिटी में जमीन दिए जाने का मामला भी सुलझ गया। तीन वर्षों से जमीन का मामला फंसा था। मेट्रो को पहले 86 एकड़ जमीन देने का निर्देश शासन ने दिया था लेकिन एलडीए इसलिए जमीन नहीं दे पा रहा था क्योंकि जिला प्रशासन ने पशुपालन विभाग की जमीन का मुआवजा सर्किल रेट से चार गुना ज्यादा मांगा था।

स्टेशनों का नाम

चारबाग, गौतमबुद्ध मार्ग, अमीनाबाद, पाण्डेय गंज, लखनऊ सिटी रेलवे स्टेशन, मेडिकल कालेज चौराहा, नवाजगंज, ठाकुरगंज, बालागंज, सरफराजगंज, मूसाबाग, बसंतकुंज।